विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- चतुर्थ, विषय- हिंदी

दिनांक-14-08—2021 एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

पाठ -9 तोताराम

सुप्रभात बच्चों,

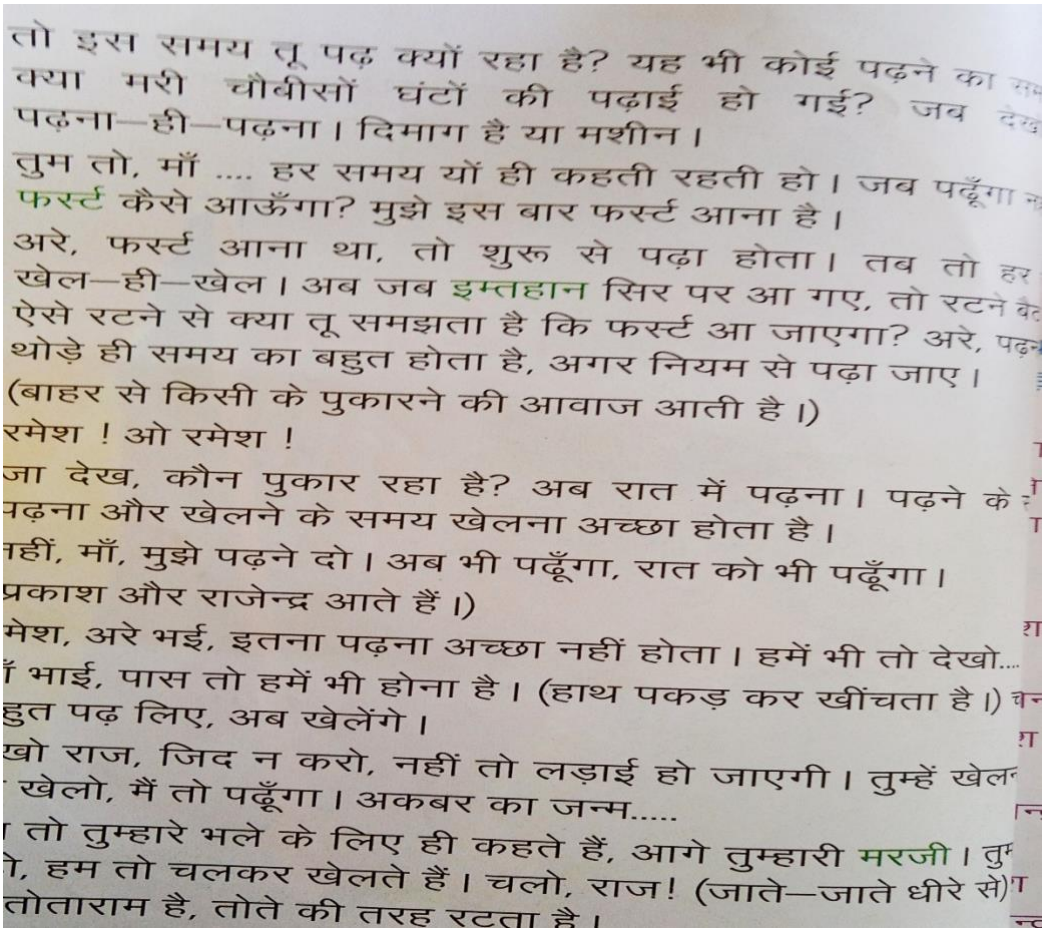

तो इस समय तू पढ़ क्यों रहा है? यह भी कोई पढ़ने का
क्या मशी चौबीसों घंटों की पढ़ाई हो गई? जब
पढ़ना—ही—पढ़ना। दिमाग है या मशीन।
तुम तो, माँ .... हर समय यों ही कहती रहती हो। जब पढ़ूँगा
फर्स्ट कैसे आऊँगा? मुझे इस बार फर्स्ट आना है।
अरे, फर्स्ट आना था, तो शुरू से पढ़ा होता। तब तो
खेल—ही—खेल। अब जब इम्तहान सिर पर आ गए, तो रटने
ऐसे रटने से क्या तू समझता है कि फर्स्ट आ जाएगा? अरे,
थोड़े ही समय का बहुत होता है, अगर नियम से पढ़ा जाए।
(बाहर से किसी के पुकारने की आवाज आती है।)
रमेश ! ओ रमेश !
जा देख, कौन पुकार रहा है? अब रात में पढ़ना। पढ़ने के
पढ़ना और खेलने के समय खेलना अच्छा होता है।
नहीं, माँ, मुझे पढ़ने दो। अब भी पढ़ूँगा, रात को भी पढ़ूँगा।
प्रकाश और राजेन्द्र आते हैं।)
मेश, अरे भई, इतना पढ़ना अच्छा नहीं होता। हमें भी तो देखो....
ँ भाई, पास तो हमें भी होना है। (हाथ पकड़ कर खींचता है।)
हुत पढ़ लिए, अब खेलेंगे।
खो राज, जिद न करो, नहीं तो लड़ाई हो जाएगी। तुम्हें खेल
खेलो, मैं तो पढ़ूँगा। अकबर का जन्म.....
तो तुम्हारे भले के लिए ही कहते हैं, आगे तुम्हारी मरजी। तु
ो, हम तो चलकर खेलते हैं। चलो, राज! (जाते—जाते धीरे से)
तोताराम है, तोते की तरह रटता है।

दिए ,गए अध्ययन- सामग्री को हल कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।